भारतीय जनता युवा मोर्चा

(केन्द्रीय कार्यालय)

11 अशोक रोड़, नई दिल्ली–110001.

दिनांक : 2 मई, 2013

प्रेस विज्ञप्ति

भाजयुमो की यासीन मलिक के अनशन को लेकर केन्द्र सरकार को चुनौती

यासीन मलिक की जगह जंतर–मंतर में नहीं जेल में होना चाहिए– अनुराग सिंह ठाकुर

भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा है कि भारतीय जनता युवा मोर्चा यासीन मलिक को जन्तर–मन्तर पर अनशन नहीं करने देगा और राष्ट्रीय राजधानी में प्रचार के लिए उसे मंच देने के सरकर के दब्बूपन वाले निर्णय का वह कड़ा विरोध करता है। श्री अनुराग ठाकुर ने कहा आतंकवादियों का साथ देने और **देश की सम्प्रभुता को खतरा पहुंचाने वाले यासीन मलिक की जगह जंतर–मंतर में नहीं जेल में होनी चाहिए।**

श्री ठाकुर ने कहा कि यदि **यासीन मलिक को जन्तर–मन्तर पर अनशन करने के लिए दी गई अनुमति को तुरन्त रद्द नही किया जाता, तो भाजयुमो विशाल विरोध प्रदर्शन करेगा।** उन्होंने कहा कि यासीन मलिक एक पाकिस्तान–परस्त अलगाववादी है, जिसका पिछला रिकार्ड आतंकी गतिविधियों से भरा हुआ है और जिसे हाल ही में 26/11 हमले के मास्टरमाइंड हाफिज़ सईद के साथ खुलेआम मंच सांझा करते हुए देखा गया था, यह वही व्यक्ति है जिसके नापाक षड़यन्त्र के कारण 166 निर्दोष जानें गई थीं। श्री ठाकुर ने कहा कि मलिक जैसे अलगाववादियों के साथ भारत सरकार द्वारा सरकारी मेहमानों की तरह व्यवहार किया जा रहा है। इस सरकार ने उसे रक्षा कवच प्रदान करने पर 9 करोड़ रूपये से अधिक खर्च किये हैं। सरकार कब तक आतंकियों और अलगाववादियों को लोकतंत्र के नाम पर रेड कार्पेट ट्रीटमेंट देती रहेगी।

श्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि भारत सरकार की ढुल–मुल विदेश नीति के कारण देश में आंतकवादी घटनाएं बढ़ी है, पाक्स्तिान में सरबजीत जैसे देशभक्त को मौत के घाट उतार दिया जाता है और चीन हमारी सीमाओं पर लगातार अतिक्रमण कर रहा है। ऐसी ही कायरतापूर्ण नीतियों के कारण यासीन मलिक जैसे देश देशद्रोहियों के हौसलें लगातार बुलंद हो रहे हैं।

श्री ठाकुर ने कहा कि एक ओर सरकार भ्रष्टाचार के विरूद्ध विरोध करने पर बाबा रामदेव और अन्ना हज़ारे को बलपूर्वक विरोध कर कार्यक्रम स्थल से हटा देती है लेकिन वहीं दूसरी ओर अफजल गुरू के लिए राष्ट्रविरोधी तत्वों को अनशन करने की अनुमति देती है। उन्होंने पूछा कि यासीन मलिक जैसा मानवाधिकारों का उल्लंघन करने वाला किस प्रकार मुकदमें के बाद दोषी और घोर आतंकवादी के लिए मानवाधिकारों की बात करना कहां तक नैतिक है। उन्होंने पूछा कि मलिक ने शहीद हुये सी. आर.पी.एफ. जवानों, हजारों कश्मीरी पंडितों जिन्हें अपने घरों से बेघर किया गया और घाटी में मारे गये सरपंचों के बारे में कभी क्यों बात नहीं की? श्री ठाकुर ने कहा कि गृह मंत्रालय द्वारा राष्ट्र को यह बताया जाना चाहिए कि यासीन मलिक को सुरक्षा संबंधी क्लियेरेंस देते समय उसकी मंशाओं के बारे में वह संतुष्ट कैसे हुआ और जिसके कारण उसे भारत विरोधी विचारों को व्यक्त करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में एक मंच उपलब्ध कराने की अनुमति क्यों दी गई।

श्री ठाकुर ने यह भी कहा कि भारत सरकार इतनी कमजोर हो गई है कि वह इन अलगाववादियों से डर गई है जिसके परिणामस्वरूप सरकार को उन्हें संरक्षण देने और एक ऐसे व्यक्ति को हीरो का दर्जा देने की उनकी मांग को मंजूर करने के लिए विवश होना पड़ा। श्री अनुराग ठाकुर ने पूछा कि जिस व्यक्ति ने भारतीय लोकतंत्र के सबसे बड़े प्रतीक पर हमला किया था, विश्व का ऐसा कौन सा स्वाभिमान वाला राष्ट्र है जो लोकतंत्र के नाम पर दोषी आतंकी के साथ हमदर्दी दिखाने के लिए अलगाववादियों को अनुमति देगा?

श्री ठाकुर ने जहां इस हत्या को पाकिस्तान की सोची समझी साजिश करार दिया वहीं दूसरी ओर सरबजीत के शव का भारत में पुनः पोस्टमार्टम कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि भारत में दिल्ली के एम्स में एक डॉक्टरों का बोर्ड गठित कर सरबजीत के शव का पुनः पोस्टमार्टम किया जाए जिससे उसके मृत्यु के कारणें का सही पता चल सके। पाकिस्तान से यह आशा करना महज ख्याली पुलाव पकाने जैसा है कि उसने कानून की सही प्रक्रिया का पालन किया होगा। श्री ठाकुर ने सरबजीत की मृत्यु को अजमल कसाब और अफजल गुरू जैसे सजायाफ्ता आतंकियों से तुलना करने के पाकिस्तानी प्रयास की घोर निन्दा की और साथ ही भारत सरकार वर्षों के प्रयासों पर भी सवाल खड़े करते हुए कहा कि सरबजीत की रिहाई कराने, उसे सुरक्षा प्रदान कराने और बाद में उसे उचित चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने में भी यूपीए सरकार असफल रही है।

(दिनेश प्रताप सिंह)
राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी, भाजयुमो
मोबाईल नं0 – 09312011454